Roll No. .....

D–954

B. Ed. (Fourth Semester) (Main/ATKT) EXAMINATION, 2020

Paper Eleventh

LANGUAGE PROFICIENCY—HINDI

Time : $1\frac{1}{2}$ *Hours*] [*Maximum Marks : 50*

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : प्रत्येक 5

   (अ) भाषा से क्या तात्पर्य है ? भाषा की प्रकृति पर प्रकाश डालिए।

   (ब) हिन्दी अध्ययन में भाषा की आवश्यकता को बताते हुए भाषा की विशेषताओं को लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : प्रत्येक 3

   (अ) भाषा रूपांतरण को बताते हुए भाषा रूपांतरण के नियमों को लिखिए।

   (ब) सार लेखन का आशय स्पष्ट कर शीर्षक लेखन के प्रकार बताइए।

   अथवा

   प्रस्तुत अनुच्छेद का सार लेखन करते हुए उचित शीर्षक दीजिए :

   "साहित्य का आधार जीवन है। इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है। उसकी अटारियाँ मीनार और गुम्बद बनते हैं। लेकिन बुनियादें मिट्टी के नीचे दबी होती हैं, उन्हें देखने को भी

जी नहीं चाहेगा। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन, परमात्मा को अपने कार्यों का जवाबदेह है या नहीं, हमें मालूम नहीं, लेकिन साहित्य मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून है, जिससे इधर-उधर वह नहीं हो सकता। जीवन का उद्देश्य ही आनंद है। मनुष्य जीवनपर्यन्त आनंद की खोज में रहता है। किसी को वह रत्न द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लम्बे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में। लेकिन साहित्य का आनंद इससे भी ऊँचा है। इससे पवित्र है, इसका आधार सुंदर व सत्य है। वास्तव में सच्चा आनंद सुंदर व सत्य से मिलता है। उसी आनंद को दर्शाना, वही आनंद उत्पन्न करना, साहित्य का उद्देश्य है। ऐश्वर्य या भोग के आनंद में ग्लानि छिपी होती है। उससे अरुचि भी हो सकती है पश्चाताप् भी हो सकता है पर सुंदर से जो आनंद प्राप्त होता है, वह अखंड और अमर है।"

(स) औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र किसे कहते हैं, दोनों में क्या अन्तर है ?

अथवा

नगर निगम के आयुक्त को नियमित जल प्रदाय हेतु आवेदन लिखिए।

(द) अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

"हमारी हिन्दी सजीव भाषा है। इसी कारण हमने अरबी, फारसी आदि के संपर्क में आकर इनके तो शब्द ग्रहण किए ही हैं, अब अंग्रेजी के भी शब्द ग्रहण करते जा रहे हैं। हमें दोष नहीं गुण समझना चाहिए, क्योंकि इस ग्रहण शक्ति से हिन्दी अपनी वृद्धि कर रही है, ह्रास नहीं।

ज्यों-ज्यों इसका प्रचार बढ़ेगा, त्यों-त्यों इसमें नए शब्दों का आगमन होता जाएगा। क्या भाषा की विशुद्धता के किसी भी पक्षपाती में यह शक्ति है कि वह विभिन्न जातियों के पारस्परिक

संबंध न होने दे अथवा भाषाओं के सम्मिश्रण क्रिया में रुकावट पैदा कर दे ? यह कभी संभव नहीं। हमें तो केवल इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस सम्मिश्रण के कारण हमारी भाषा अपने स्वरूप को तो नष्ट नहीं कर रही है, कहीं अन्य भाषाओं के बेमेल शब्दों के मिश्रण से अपना रूप तो विकृत नहीं कर रही है ? अभिप्राय यह है कि दूसरी भाषाओं के शब्द, मुहावरे आदि ग्रहण करने पर हिन्दी, हिन्दी ही बन रही है या नहीं, बिगड़ कर कहीं यह कुछ और तो नहीं होती जा रही है।"

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

(ii) इस गद्यांश का सारांश लिखिए।

(iii) इस गद्यांश में हिन्दी भाषा के महत्व को बताइए।

(य) प्रतिवेदन से आप क्या समझते हैं ? प्रतिवेदन लेखन के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

अपनी संस्था में आयोजित खेल दिवस पर एक प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए।

3. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 5

(अ) संज्ञा एवं सर्वनाम छाँटकर लिखिए :

(i) यशोदा हमारे घर की लक्ष्मी है।
(संज्ञा पहचानकर प्रकार बताइए)

(ii) आम बहुत मीठा है।
(संज्ञा पहचानकर प्रकार बताइए)

(iii) यह लड़की बहुत सुंदर है।
(संज्ञा पहचानकर नाम बताइए)

(iv) मैं अपना काम अपने आप करता हूँ।
(सर्वनाम पहचानकर प्रकार बताइए)

(v) राम यहाँ नहीं वहाँ रहता है।
(सर्वनाम पहचानकर प्रकार बताइए)

(ब) समास को विग्रह कर प्रकार लिखिए: ५

(i) महात्मा

(ii) दशानन

(iii) पंचवटी

(iv) यथाशक्ति

(v) नवरत्न

(स) नीचे दिए शब्दों से वाक्यरचना कीजिए : 5

(i) नीलगगन

(ii) कर्तव्य

(iii) आराधना

(iv) सम्भावना

(v) प्रणाली

(द) मुहावरों तथा लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए : 5

(i) अक्ल का दुश्मन

(ii) काला अक्षर भैंस बराबर

(iii) दो नाव पर पैर रखना

(iv) आसमान से गिरकर खजूर पर अटकना

(v) आगे नाथ न पीछे पगहा

(य) निम्नलिखित के पर्यायवाची शब्द लिखिए : 5

(i) हाथ

(ii) धरती

(iii) बिजली

(iv) आभूषण

(v) दर्पण